राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच

Forum for Awareness of National Security (FANS)
(Regd. No. S/1723/District South/2014)
101, H.I.G. DDA Flats, Block-1,
Motia Khan, Paharganj Pin Code. 110055.
M: 8178828297, 8375965010 Ph: 011-43524524

RESOLUTION-3

MAOISM

In 1967, a peasant's movement which started for land reforms, soon turned into law and order problem, when they killed a police official in Naxalbari. It took an ugly turn because of the apathy of the then government, who ignored their lawful demands. Taking advantage of the situation, foreign countries like China and Pakistan started fomenting the trouble and the group of agitators got influenced by the Mao's philosophy believing that 'power flows from the barrel of the gun'. They got weapons from China. They started indulging in killing, looting, kidnapping and extortion. They targeted the innocent tribal boys and girls and applied psychological pressure to recruit them to join their cadre, sometimes using threat and force. Efforts to develop the affected areas were thwarted by Naxals. They destroyed roads, schools hospitals and other facilities. This fire spread to other areas and many states were engulfed by this menace. This region was given the name 'Red Corridor'. The law and order agencies have so far not succeeded in eradicating this problem totally. Today, the tribal people living around the jungles are suffering. There is an urgent need to make the common public aware of this issue. Naxalism is an anti-national movement which hinders the development and integrity of our country. Young boys and girls need to be indoctrinated and motivated to use their strength for improvement and developmental works in their region. Government needs to continue with the development of tribal areas and at the same time use all the forces including Army at its command to neutralise anti national forces.

The Forum For Awareness of National Security having debated the issue resolves that;

1. The naxal forces need to be eliminated by using all the resources available at the command of the nation including army, since it is not only law and order problem, but integrity and sovereignty of the nation is threatened.

2. Supply line to these forces be disrupted and neutralised.
3. They should be asked to surrender and amnesty be given to these people except those who have committed grave offences and heinous crimes.
4. Development activities be undertaken at a fast pace under the protection of forces. Infrastructure like roads, schools and hospitals be given priority.
5. Intelligence apparatus needs to be revamped and strengthened, since the plans are leaked to Naxals even before they are executed. Sharing of intelligence between affected states need to be improved.
6. The tribals should be indoctrinated and counselled not to join Naxal movement.

राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच

Forum for Awareness of National Security (FANS)
(Regd. No. S/1723/District South/2014)
101, H.I.G. DDA Flats, Block-1,
Motia Khan, Paharganj Pin Code. 110055.
M: 8178828297, 8375965010 Ph: 011-43524524

प्रस्ताव क्र-.३

<u>माओवाद</u>

सन १९६७ में बंगाल के नक्सलबारी क्षेत्र में किसानों द्वारा भूमि सुधार तथा वितरण सम्बंधित शांतिपूर्ण प्रदर्शन शीघ्र ही एक क़ानून और व्यवस्था का विषय बन गया जब इन प्रदर्शनकारियों ने एक पुलिस अधिकारी की हत्या कर दी ।| यह भारत सरकार की भूमि सुधार के प्रति उदासीनता का परिणाम था ।| इस परिस्थिति का चीन तथा पाकिस्तान जैसे राज्यों ने लाभ उठाया और उन्होंने युद्ध का साजोसामान तथा हथियार देकर आग में घी डालने का काम किया ।| चीन ने इन प्रदर्शनकारियों को माओवादी विचारधारा से प्रभावित किया ।| माओ का कहना था कि बन्दूक से ही सत्ता हासिल की जाती है ।| इन माओवादियों ने निरीह तथा निरपराध लोगों की हत्या, लूट तथा फ़ौती के लिए अपहरण जैसे जघन्य अपराधों की शुरूआत कर दी ।| सरकार द्वारा बनवासी क्षेत्रों के विकास के सारे प्रयास निष्फल हो गए तथा मप्वादियों ने सड़क, स्कूल, अस्पताल तथा एनी जन सुविधाओं को नष्ट करना शुरू कर दिया ।| यह नक्सलवाद (माओवाद) भारत के अन्य राज्यों में आग के सामान फ़ैल गया ।| माओवाद से प्रभावित क्षेत्रों को 'रेड कारीडोर' की संज्ञा दी गयी ।| बनवासी क्षेत्रों में रहने वाला आम व्यक्ति कठिनाइयों का सामना करने

लगा ।। माओवादी उनसे लूटपाट तथा उनकी औरतों से बलात्कार जैसे जघन्य अपराद करने लगे ।। अत: आज आवश्यकता है कि इन क्षेत्रों में रहने वाले युवकों को प्रेरित और प्रशिक्षित किया जाए ताकि वे अपने सम्मान की सुरक्षा तथा अपने क्षेत्रों के विकास में अपनी पूरी ताकत लगा दें ।। साथ ही सरकार को चाहिए कि वह अपने विकास कार्यों को सेना से सुरक्षित हो कर और अधिक तेजी से चालू रखें ।। आवश्यकतानुसार सरकार सेना सहित अपने सभी प्रयासों को माओवाद को तथा उनके संगठनों को समाप्त करने में लगा दे ।।

राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच ने विस्तृत चर्चा कर के निम्नलिखित प्रस्ताव पारित किया है ।।

१. माओवाद को सारी शक्ति लगा कर समूल नष्ट करना होगा क्योंकि उसका उद्देश्य भूमि सुधार से हट कर सम्पूर्ण भारत पर शासन करने का है ।
२. माओवादियों के हथियार, राशन आदि की सप्लाई के सभी रास्ते बंद करने चाहिए ।
३. उनको आत्मसमर्पण का अवसर देना चाहिए और उन्हें क्षमादान देना चाहिए उन लोगों को छोड़ कर जिन्हों ने जघन्य अपराध किये हैं ।
४. सुरक्षाबलों के संरक्षण में विकास कार्यों और अधिक गति देनी होगी ।
५. इंटेलिजेंस तंत्र को और अधिक मजबूत तथा विकसित करना होगा । अक्सर सुरक्षाबलों के प्लान की सूचना माओवादियों को मिल जाती है इसके पहले कि उसे कार्यान्वित किया जाए ।
६. आदिवासियों को समझाना होगा कि वे माओवादियों के प्रलोभन और झांसे में न आयें ।